उपलब्धि परीक्षण के चरण (Steps of Achivement Test) →

① उद्देश्यों का निर्धारण (Formulation of Objectives) →

प्रत्येक विषय के शिक्षण के कुछ उद्देश्य होते हैं। सबसे पहले जिस विषय में परीक्षा तैयार करनी है उस विषय के उद्देश्य का अध्ययन करना चाहिए। इसके बाद यह निर्धारित करना चाहिए कि अलब्धि परीक्षण द्वारा कौन-2 से उद्देश्यों की प्राप्ति करनी है।

② पाठ्यक्रम का विश्लेषण (Analysis of curriculum) →

जिस विषय में उपलब्धि परीक्षण का निर्माण करना है उसके पाठ्यक्रम का भली भाँति अध्ययन करना चाहिए।

③ पद-निर्माण (Construction of Items) →

(i) पद की भाषा सरल एवं स्पष्ट होनी चाहिए।
(ii) पद विषय के उद्देश्य पर आधारित होना चाहिए।
(iii) परीक्षण में विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को सम्मिलित किया जाए।
(iv) पद का उत्तर निश्चित हो
(v) प्रत्येक प्रकार के प्रश्नों को अलग-2 रखा जाए।

④ निर्देशन (Instructions) →

पदों का निर्माण करने के बाद निर्देशन निश्चित करने चाहिए। ये दो प्रकार के होते हैं:-
(i) पूरे परीक्षण के लिए निर्देशन।
(ii) प्रत्येक पद के लिए निर्देशन।

Scanned with CamScanner

⑤ परीक्षा लेना (Try Out) → परीक्षा को पहले विद्यार्थियों के एक समूह में दिया जाए, जिस में सब प्रकार के विद्यार्थी शामिल हो। इस परीक्षा में कोई समय निश्चित नहीं करना चाहिए। जितने समय में 75 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा समाप्त कर लें। वह नोट कर लेना चाहिए।

⑥ अंक (Marks) → प्रथम परीक्षा के देने के बाद समय एवं अंक सूचना निर्धारित कर ली जाती है। जिन पदों का विभेदीकरण नाम नकारात्मक (Negative) होता है, उनको अलग कर लिया जाता है। कठिन पदों को छोड़ दिया जाता है या उन में परिवर्तन कर लिया जाता है।

⑦ अन्तिम परीक्षण (Final Tests) → अन्तिम परीक्षण में समय, अंक एवं सूचना आदि निश्चित होते हैं। यह परीक्षण बहुत से विद्यार्थियों को दिया जाता है यह परीक्षण कम से कम 3-4 हजार विद्यार्थियों को देना चाहिए।

⑧ विश्वसनीय एवं वैधता (Reliability and Validity) →

इस सोपान में परीक्षण की अलग-2 विधियों द्वारा विश्वसनीयता तथा वैधता निकाली जाती है। इससे परीक्षण प्रमाणित हो जाता है।

⑨ मापदण्ड (Norms) → अच्छे परीक्षण का निर्माण करने के लिए निम्न - पदों को प्रमाणित करना पड़ता है।

(i) परीक्षण सामग्री (Content)
(ii) परीक्षण विधि (Administration)
(iii) अंक (Scoring)
(iv) मापदण्ड (Norms)

⑩ परिणाम एवं उनका विवेचन (Result and their Interpreation)

जब परीक्षण के सामान्य स्तर को निर्धारित कर दिया जाता है तो परीक्षक परीक्षण के परीक्षण की व्याख्या करता है जिसमें विद्यार्थियों की कहानी, शिक्षालब्धि (Educational Quotient) उपलब्धि-लब्धि (Achievement Quotient) आदि सम्मिलित होते हैं।

Scanned with CamScanner

उपलब्धि - लब्धि (Achievement Quotient) → उपलब्धि जिसे (A.Q) भी कहते हैं।

$$\text{उपलब्धि आयु} = \frac{\text{शिक्षा आयु}}{\text{मानसिक आयु}}$$

$$A.Q. = \frac{E.A.}{M.A.}$$

Scanned with CamScanner